भविष्यवाणी की उलटी गिनती

सबसे लंबी भविष्यवाणी की व्याख्या करना

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

हांगकांग-झुहाई-मकाऊ पुल दुनिया का सबसे लंबा समुद्र लांघनेवाला पुल है। ढांचे में तीन केबल द्वारा रोके पुल, एक समुद्र के नीचे सुरंग और हांगकांग को मुख्य भूमि चीन से जोड़ने वाले चार कृत्रिम द्वीपों की एक श्रृंखला शामिल है। विशाल ढांचा पर्ल नदी की भूमि में 34 मील से अधिक तक फैला हुआ है, जो खाड़ी के आसपास के 11 शहरों को सेवा प्रदान करता है, जो कुल 6 करोड़ 80 लाख लोगों का घर है। क्योंकि यह इतना व्यस्त जहाज़-रानी क्षेत्र है, विशाल पुल का एक हिस्सा पानी के नीचे 4 मील तक डूबा हुआ है, जबकि अन्य हिस्से इतने ऊंचे हैं कि छोटे जहाज नीचे से गुजर सकते हैं। भूकंप और मौसमी तूफानों का सामना करने के लिए ढांचे को लगभग 1,000,000 घन गज सीमेंट की आवश्यकता थी। हांगकांग-झुहाई-मकाऊ पुल को 120 वर्षों तक चलने के लिए बनाया गया था और इसकी अनुमानित लागत 1800 करोड़ डॉलर थी। यह विशाल परियोजना 2009 में शुरू हुई और देरी और सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे पूरा होने में लगभग एक दशक लग गया-और निर्माण के दौरान 19 लोगों की मृत्यु हो गई, जो गोल्डन गेट पुल के निर्माण में मरने वालों की संख्या से लगभग दोगुनी है।

बाइबल परमेश्वर द्वारा बड़ी लागत और बलिदान देकर स्वर्ग और पृथ्वी को जोड़ने के लिए एक पुल बनाने की कहानी है। हम मनुष्य अपने पापों के कारण स्वर्ग से अलग हो गए हैं, लेकिन यीशु की मृत्यु के माध्यम से, क्रूस विशाल खाई को पाटने और विश्वासियों को उनके सृष्टिकर्ता के साथ फिर से जोड़ने के लिए एक पुल बन गयी।

दानिय्येल की पुस्तक में पाई गई, बाइबल की

सबसे लंबे समय की भविष्यवाणी, सटीक समय के साथ, मसीहा के मेमने के रूप में आने और दोबारा आने से पहले हमारे महायाजक के रूप में उसके कार्य का वर्णन करती है। इस अध्ययन के रोमांचकारी निष्कर्ष आपको यह महसूस करने में मदद करेंगे कि परमेश्वर सारा इतिहास अपने हाथों में रखता है। और उसके बनाए पुल को पार करके, आप बिना किसी डर के भविष्य का सामना कर सकते हैं ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें ...

1 भविष्यवक्ता दानिय्येल को एक अद्भुत दर्शन हुआ जिसमें उसने दो सींगों वाला एक मेढ़ा देखा (दानिय्येल 8:1-4)—वह मेढ़ा क्या दर्शाता है?

दानिय्येल 8:20 जो दो सींगवाला मेढ़ा तू ने देखा है, उसका अर्थ

________________ और ________________ के राज्य से है।

ध्यान दें: ऐतिहासिक रूप से, इब्रानी लोग चरवाहे थे, जिससे वे भेड़ और बकरियों के स्वभाव से अच्छी तरह परिचित थे। परमेश्वर ने इन प्राणियों को फारस जैसे राष्ट्रों के प्रतीक के रूप में उपयोग किया, जो इस्राएल और उससे आगे के क्षेत्र पर हावी होने के लिए लड़ेंगे।

2 दानिय्येल ने अगली बार एक बकरे को देखा जिसकी आँखों के बीच एक बड़ा सींग था-इसका क्या मतलब है?

दानिय्येल 8:21, 22 और वह रोंआर बकरा ________________ का राज्य है; और उसकी आँखों के बीच जो बड़ा सींग निकला, वह ________________ राजा ठहरा। वह सींग जो टूट गया और उसके बदले जो चार सींग निकले, इसका अर्थ यह है कि उस जाति से ________________ राज्य उदय होंगे, परन्तु उनका बल उस पहले का सा न होगा।

ध्यान दें: बकरा यूनान का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने फ़ारसी साम्राज्य पर विजय प्राप्त की थी; इसका बड़ा सींग इसके शासक सिकंदर महान का प्रतीक है। चार सींग उन चार सेनापतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्होंने सिकंदर की मृत्यु के बाद साम्राज्य के कुछ हिस्सों पर अधिकार कर लिया था।

AMAZING FACTS INTERNATIONAL

प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

3 फिर चारों में से एक में से एक छोटा सींग निकलता है—यह किस शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है?

प्रेरितों के काम 18:2 क्लौदियुस (कैसर) ने सब यहूदियों को

________________ से निकल जाने की आज्ञा दी थी। इसी लिये वह उनके यहाँ गया।

ध्यान दें: “छोटा सींग” जिसने परमेश्वर के लोगों को सताया, पवित्र चीज़ों को रौंदा, और यीशु के खिलाफ खड़ा हुआ, रोम का प्रतिनिधित्व करता है-बुतपरस्त और पोपतंत्र दोनों। बुतपरस्त रोम वह शक्ति है जो यूनान के बाद आया और यीशु मसीह के जन्म के समय भूमध्यसागरीय दुनिया पर शासन करते हुए अत्यधिक महान बन गया।

4 दानिय्येल को बताया गया कि यह छोटा सींग पवित्रस्थान को अपवित्र कर देगा। इसको शुद्ध कब किया जाएगा?

दानिय्येल 8:14 जब तक साँझ और सबेरा ________________ हज़ार

________________ सौ बार न हों ... तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा।

ध्यान दें: यह 2,300 दिन की अवधि बाइबल में सबसे लंबे समय की भविष्यवाणी है, लेकिन शुरुआती बिंदु और अर्थ अगले अध्याय तक नहीं दिया गया है-दानिय्येल 9:25 में। (याद रखें, बाइबल की भविष्यवाणी में, एक दिन एक शाब्दिक वर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। यहेजकेल 4:6; गिनती 14:34 देखें।)

5 जब दानिय्येल ने छोटे सींग वाली शक्ति को परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार करते और सत्य को विकृत करते देखा तो उसने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

दानिय्येल 8:27 तब मुझ दानिय्येल का बल जाता रहा, और मैं कुछ दिन तक

________________ पड़ा रहा ... परन्तु जो कुछ मैंने देखा था उस से मैं चकित रहा,

क्योंकि उसका ________________ समझानेवाला न था।

ध्यान दें: दानिय्येल परमेश्वर के लोगों पर जो आने वाला था उससे इतना अधिक दुखी हुआ कि वह बेहोश हो गया और बीमार पड़ गया। प्रारंभ में, न तो दानिय्येल और न ही उसके दोस्तों ने दर्शन के 2,300-दिवसीय भाग को समझा।

6 अगले अध्याय में, स्वर्गदूत भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए लौटता है-दर्शन में अतिरिक्त समय अवधि कितनी लंबी थी?

दानिय्येल 9:24 तेरे लोगों और तेरे पवित्र नगर के लिये ________________ ________________ ठहराए गए हैं ... और दर्शन की बात पर और भविष्यद्वाणी पर छाप दी जाए।

ध्यान दें: दानिय्येल के 2,300 दिनों के दर्शन के कई साल बाद, जब वह अपने लोगों के लिए ईमानदारी से प्रार्थना कर रहा था, स्वर्गदूत जिब्राएल उसे पहले दर्शन को समझने में मदद करने के लिए फिर से प्रकट हुआ (दानिय्येल 9:23)। स्वर्गदूत ने यह भी समझाया कि दर्शन में 70-सप्ताह की भविष्यवाणी अवधि शामिल है जो यहूदियों और यरूशलेम शहर के लिए "निर्धारित" या आवंटित की गई थी। इसका मतलब यह था कि परमेश्वर अपने चुने हुए राष्ट्र को दुनिया के सामने मसीहा पेश करने और घोषित करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 490 साल देगा (पद्य 24)।

7 2,300-दिन और 70-सप्ताह की समय भविष्यवाणियों का प्रारंभिक बिंदु क्या था?

दानिय्येल 9:25 इसलिये यह जान और समझ ले, कि ________________ को ________________ की आज्ञा के निकलने से लेकर अभिषिक्त प्रधान के समय तक सात सप्ताह और बासठ सप्ताह बीतेंगे।

ध्यान दें: स्वर्गदूत ने दानिय्येल से कहा कि वह यरूशलेम को पुनर्स्थापित करने और पुनर्निर्माण करने के निर्णायक आदेश से 2,300-दिन और 70-सप्ताह की भविष्यवाणियों की गिनती शुरू करे। बाबुल के पतन के बाद, फ़ारस के राजा कुस्रू द्वितीय ने यहूदियों को इस्राएल लौटने और भूमि पर फिर से बसने की अनुमति दी। हालाँकि, यरूशलेम के पुनर्निर्माण का उल्लेखनीय आदेश कई वर्षों बाद आया। इसे राजा अर्तक्षत्र प्रथम ने अपने शासनकाल के सातवें वर्ष में जारी किया था। अर्तक्षत्र प्रथम 464 ईसा पूर्व में सिंहासन पर बैठा; इसलिए, अर्तक्षत्र का आदेश 457 ईसा पूर्व में सुनाया गया था (एज्रा 7:7-24)।

बाइबल के बाहर इस तिथि के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक साक्ष्य मौजूद हैं। "एलिफेंटाइन पपीरी

हमारे निष्कर्ष को मजबूत समर्थन देते हैं कि अर्तक्षत्र का आदेश 457 ईसा पूर्व में जारी और क्रियान्वित किया गया था।" (द क्रोनोलॉजी ऑफ़ एज्रा 7, सिगफ्राइड एच. हॉर्न और लिन एच. वुड, 1970)।

8 स्वर्गदूत ने कहा कि 457 ईसा पूर्व से 69 सप्ताह गिनने पर, राजकुमार मसीहा आएगा—क्या ऐसा हुआ?

प्रेरितों के काम 10:37, 38 वह वचन तुम जानते हो, जो यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार के बाद ... परमेश्वर ने किस रीति से यीशु नासरी को पवित्र आत्मा और सामर्थ्य से ________________ किया।

ध्यान दें: हाँ, ऐसा हुआ! यहाँ एक अद्भुत चमत्कार है। यीशु को पवित्र आत्मा से अभिषिक्त करने से सैकड़ों साल पहले, इस घटना की सटीक भविष्यवाणी भविष्यवाणी में की गई थी! "मसीहा" "अभिषिक्त" के लिए इब्रानी शब्द है और "क्राइस्ट" शब्द उसी शब्द का यूनानी संस्करण है। लूका 3:21, 22 कहता है कि पवित्र आत्मा द्वारा यह विशेष अभिषेक उसके बपतिस्मा के समय हुआ था। यह याद रखते हुए कि एक भविष्यवाणी का दिन एक शाब्दिक वर्ष के बराबर होता है, 457 ईसा पूर्व में 69 सप्ताह, या 483 भविष्यवाणी दिन (69 x 7 = 483) जोड़ने से हम 27 ईसवी सन् में आते हैं (483-457 = 26, + 1 वर्ष क्योंकि 1 ईसा पूर्व और 1 ईसवी सन् के बीच कोई शून्य वर्ष नहीं है)।

सुसमाचार लेखक लूका एक उत्कृष्ट इतिहासकार था और उसने हमें यह जानने के लिए इतिहास में छह मानक दिए कि वास्तव में यीशु का बपतिस्मा कब हुआ था (लूका 3:1, 2)। 27 ईसवी वह समय है जब यीशु 30 वर्ष का हुआ और अपने बपतिस्मा के बाद मसीहा के रूप में अपनी सेवकाई शुरू की-457 ईसा पूर्व में दिए गए आदेश के ठीक 483 साल बाद! यही कारण है कि, अपने बपतिस्मा के बाद, यीशु ने उपदेश देना शुरू किया, "समय पूरा हुआ है, और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है" (मरकुस 1:15)। वह दानिय्येल 9:25 में समय की भविष्यवाणी के बारे में बात कर रहा था!

9 भविष्यवाणी में आगे क्या होने वाला था?

दानिय्येल 9:26, 27 उन बासठ सप्ताहों के बीतने पर अभिषिक्त पुरुष ________________ ________________, लेकिन अपने लिए नहीं; ... वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बाँधेगा, परन्तु ________________ ही सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द करेगा।

ध्यान दें: भविष्यवाणी में अगली भविष्यवाणी की गई है कि 70-सप्ताह की भविष्यवाणी के अंतिम सप्ताह के बीच में यीशु को “काट दिया जाएगा” या सूली पर चढ़ा दिया जाएगा। 27 ईसवी की शरद ऋतु में उसके अभिषेक से साढ़े तीन वर्ष गिनने पर हम 31 ईसवी के वसंत में पहुँच जाते हैं, यही वह समय है जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था। (नीचे समय रेखा देखें।) जिस समय उसकी मृत्यु हुई, मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो हिस्सों में फट गया था (मत्ती 27:50, 51), यह दर्शाता है कि यीशु ने परमेश्वर के सच्चे मेमने के रूप में अपनी मृत्यु से बलि प्रणाली को बंद कर दिया था।

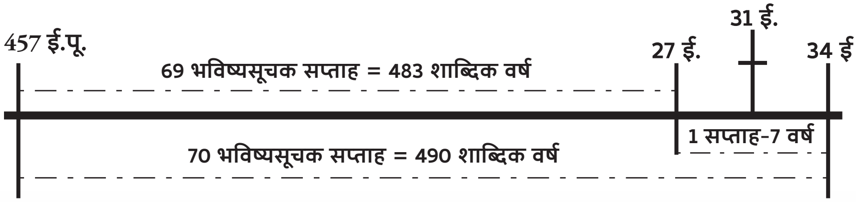

कुछ बाइबल छात्र दानिय्येल की 490 साल की भविष्यवाणी के अंतिम सप्ताह (सात शाब्दिक वर्ष) को अलग कर देते हैं और इसे समय के अंत और सात साल के क्लेश में मसीह के विरोधी के काम पर लागू करते हैं। ऐसा करने के लिए बाइबल का कोई समर्थन नहीं है।

10 यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे अपना उपदेश सबसे पहले किस समूह के लोगों पर केंद्रित करें?

मत्ती 10:5, 6 अन्यजातियों की ओर न जाना ... परन्तु _________________ के घराने ही की खोई हुई भेड़ों के पास जाना।

ध्यान दें: परमेश्वर बहुत दयालु और धैर्यवान हैं! भले ही उसके अपने लोग उसे धोखा देंगे, यीशु ने जोर देकर कहा कि उसके शिष्य पहले यहूदियों को विशेष रूप से प्रचार करें-क्योंकि राष्ट्र के 490 साल के अवसर में मसीहा को स्वीकार करने और घोषित करने के लिए अभी भी साढ़े तीन साल बाकी थे। दानिय्येल 9:27 में भविष्यवाणी में कहा गया है कि यीशु एक भविष्यवाणी सप्ताह (सात शाब्दिक वर्ष) के लिए कई लोगों के साथ दृढ़ वाचा बाँधेगा, मुक्ति की महान योजना की पुष्टि करेगा।

लेकिन यीशु को उसके चुने हुए राष्ट्र को आवंटित अंतिम सप्ताह के बीच में क्रूस पर चढ़ाया गया था, तो वह अपनी मृत्यु के बाद उनके साथ वाचा की पुष्टि कैसे कर सकता था? इसका उत्तर इब्रानियों 2:3 में मिलता है: “यदि हम उस महान उद्धार की उपेक्षा करें, जो पहिले प्रभु के द्वारा कहा गया, और उसके सुननेवालों ने हमें बताया, तो हम कैसे बचेंगे?” यीशु के शिष्यों ने अंतिम साढ़े तीन वर्षों तक केवल यहूदियों को उपदेश दिया, जब तक कि राष्ट्र ने, अपनी सर्वोच्च परिषद के माध्यम से, ईसवी सन् 34 में आधिकारिक तौर पर सुसमाचार संदेश को अस्वीकार नहीं कर दिया, जब स्तिफनुस, एक आत्मा से भरे सेवक, को सार्वजनिक रूप से पत्थरों से मार दिया गया था (प्रेरितों 7:58,59)।

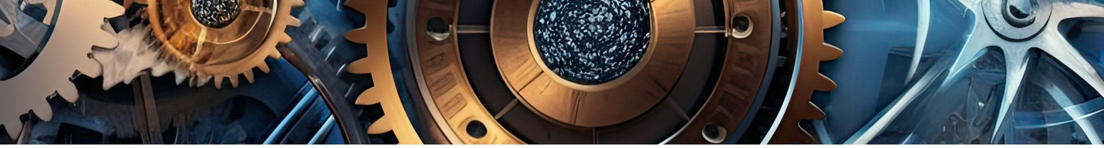

11 34 ईसवी के बाद परमेश्वर का चुना हुआ राष्ट्र कौन है (1 पतरस 2:9)?

मत्ती 21:43 परमेश्वर का राज्य तुम से ________________ जाएगा और ऐसी ________________ को जो उसका फल लाए, दिया जाएगा।

रोमियों 2:28, 29 क्योंकि यहूदी वह नहीं जो प्रकट में यहूदी है ...पर यहूदी वही है जो ________________ में है।

ध्यान दें: यीशु ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि लोग उसके मसीहा होने को अस्वीकार करने पर अड़े रहे तो यहूदी राष्ट्र की विशेष स्थिति रद्द कर दी जाएगी। हालाँकि यहूदी लोगों को परमेश्वर ने नहीं छोड़ा है (रोमियों 11:1), यहूदी राष्ट्र अब दुनिया तक पहुँचने के लिए उसका चुना हुआ साधन नहीं है। वह वाचा स्तिफनुस को पत्थरों से मारने के साथ समाप्त हो गयी। पौलुस के परिवर्तन के बाद, अन्यजाति देशों के बीच सुसमाचार का बड़े जोर-शोर से प्रचार हुआ। तब से, वे सभी जो यीशु को स्वीकार करते हैं, यहूदी और अन्यजाति दोनों, उसके चुने हुए लोग हैं (1 पतरस 2:9), और जो वादे एक बार शाब्दिक इस्राएल पर लागू होते थे, वे अब आध्यात्मिक इस्राएल तक पहुँच गए हैं (रोमियों 9:6-8)। इस प्रकार, मध्य पूर्व का राष्ट्र अंत समय की भविष्यवाणी का केंद्र बिंदु नहीं है।

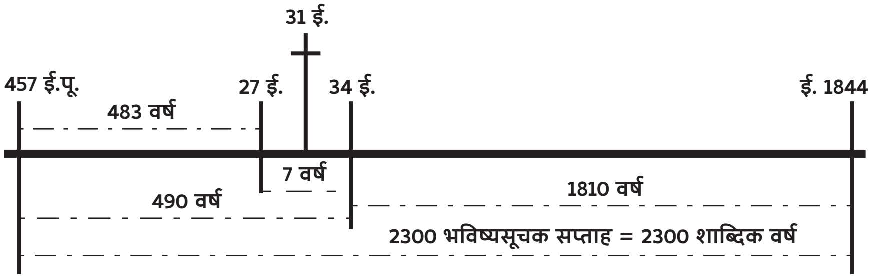

12 दानिय्येल से बात करने वाले स्वर्गदूत के अनुसार, 2,300 वर्षों के अंत में कौन सी अंतिम घटना शुरू होगी?

दानिय्येल 8:14 तब उसने मुझ से कहा, “जब तक साँझ और सबेरा दो हज़ार तीन सौ बार न हों, तब तक वह होता रहेगा; तब ________________ ________________ किया जाएगा।“

ध्यान दें: 457 ईसा पूर्व के हमारे शुरुआती बिंदु पर लौटते हुए और याद करते हुए कि भविष्यवाणी में एक दिन एक शाब्दिक वर्ष का प्रतिनिधित्व करता है, 2,300 वर्षों की गिनती हमें 1844 में लाती है। स्वर्गदूत ने कहा कि पवित्रस्थान को शुद्ध किया जाएगा, या "बहाल" किया जाएगा (सी.एस.बी, ई.एस.वी, एन.ए.एस.बी)।लेकिन 70 ईसवी में रोमन द्वारा नष्ट किया गया सांसारिक पवित्रस्थान कभी भी बहाल नहीं किया गया। तो 1844 में क्या हुआ? पढ़ते रहिए!

13 जब यीशु स्वर्ग पर चढ़ गया, तो हमारे लिए उसकी सेवकाई कहाँ जारी रही?

इब्रानियों 4:14 इसलिये जब हमारा ऐसा बड़ा महायाजक है, जो ________________ से होकर गया है, अर्थात् परमेश्वर का पुत्र यीशु, तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें।

इब्रानियों 9:11 परन्तु जब मसीह आनेवाली अच्छी अच्छी वस्तुओं का महायाजक होकर आया, तो उसने और भी बड़े और सिद्ध ________________ से होकर, जो हाथ का बनाया हुआ नहीं अर्थात् इस सृष्टि का नहीं है।

ध्यान दें: जब धार्मिक अगुओं ने अंततः यीशु की शिक्षा और सेवकाई को अस्वीकार कर दिया, तो उसने मंदिर छोड़ दिया और घोषणा की, "देखो, तुम्हारा घर तुम्हारे लिये उजाड़ छोड़ा जाता है" (मत्ती 23:38)। जब यीशु क्रूस पर मरा, तो सांसारिक मंदिर का उद्देश्य-जिसमें पशु बलि का लहू बहता था-अब पूरा हो गया था। यह सब मसीह, सच्चे मेमने और महायाजक की ओर इशारा करता था। सांसारिक मन्दिर का कार्य समाप्त हो चुका था। अपने स्वर्गारोहण के बाद से, यीशु हमारे महायाजक के रूप में पिता के सामने मध्यस्थता कर रहा हैं, हमारी ओर से अपने लहू की याचना कर रहा है (रोमियों 8:34; इब्रानियों 7:25; 9:24)।

14 क्या धरती पर अब भी परमेश्वर का कोई मंदिर है?

इफिसियों 2:19-22 तुम ... परमेश्वर के घराने के हो गए। और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नींव पर, जिसके कोने का पत्थर मसीह यीशु स्वयं ही है, बनाए गए हो। जिसमें सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक ________________ ________________ बनती जाती है, जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास–स्थान होने के लिये एक साथ बनाए जाते हो।

ध्यान दें: हाँ। परमेश्वर के लोग अब पृथ्वी पर उसके आध्यात्मिक मंदिर हैं! विश्वासियों को “जीवित पत्थर” कहा जाता है (1 पतरस 2:5)। यीशु ने यह भी भविष्यवाणी की थी, “इस मन्दिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूँगा,” लेकिन वह अपनी देह के बारे में बात कर रहा था (यूहन्ना 2:19-21)। और, निस्संदेह, कलीसिया को “मसीह की देह” कहा जाता है (1 कुरिन्थियों 12:27)।

दानिय्येल 8:14 भविष्यवाणी करता है कि शुद्ध किया जाएगा। किस चीज़ से शुद्ध किया जाएगा? दानिय्येल 8:11, 12 के अनुसार, “उसका पवित्र वासस्थान गिरा दिया गया ... और उसने [पशु शक्ति] ने सच्चाई को मिट्टी में मिला दिया।” 1844 में, जैसे ही हमारे महायाजक ने स्वर्गीय मंदिर को शुद्ध करना शुरू किया, एक अभूतपूर्व विश्वव्यापी पुनरुद्धार ने बाइबल की सच्चाइयों को बहाल करना शुरू कर दिया, जिन्हें पशु ने अपने 1,260 साल के शासनकाल के दौरान अस्पष्ट या विकृत कर दिया था। यीशु एक ऐसी कलीसिया के लिए आ रहा है जो उन सिद्धांतों पर लौट आयी है जो “एक बार ... पवित्र लोगों को सौंपे गए थे” (यहूदा 3)-उदाहरण के लिए, एक कलीसिया जो सातवें दिन सब्त का पालन करती है और मानती है कि मसीह की शाब्दिक वापसी पर अमरता प्राप्त होती है।

15 यीशु ने 1844 में अपनी कलीसिया के लिए अपनी छुटकारा देने वाली सेवकाई का कौन सा अनोखा पहलू शुरू किया?

1 पतरस 4:17 वह समय आ पहुँचा है कि पहले __________________ के __________________ का न्याय किया जाए।

सभोपदेशक 12:14 परमेश्वर सब __________________ और सब __________________ बातों का, चाहे वे भली हों या बुरी, न्याय करेगा।

ध्यान दें: सांसारिक पवित्रस्थान में, पवित्र वर्ष के अंत में महायाजक का अंतिम कार्य “प्रायश्चित का दिन” था (लैव्यव्यवस्था 23:27)। यह वह समय था जब परमेश्वर के लोगों को उन पापों से शुद्ध किया जाता था जिन्हें पूरे वर्ष पवित्रस्थान में स्थानांतरित कर दिया गया था। यह आत्मनिरीक्षण और न्याय का समय था।

1844 में, यीशु, हमारे महायाजक, ने स्वर्गीय पवित्रस्थान में अपनी अंतिम सेवकाई शुरू की-एक न्याय जो उसके दूसरे आगमन से पहले होता है। बाइबल कहती है कि जब मसीह लौटेगा, तो वह पुरस्कार लेकर आएगा, इसलिए उसके आने से पहले किसी न किसी प्रकार का न्याय होना चाहिए (प्रकाशितवाक्य 22:12), यही कारण है कि इसे “आगमन-पूर्व” न्याय कहा जाता है। न्याय के इस पहले चरण में, केवल उन लोगों की जाँच की जाती है जिन्होंने परमेश्वर के लोग होने का दावा किया है (भजन 50:3-5), जबकि खोए हुए लोगों का न्याय सहस्राब्दी के दौरान दूसरे चरण के लिए आरक्षित है (प्रकाशितवाक्य 20:4, 11, 12)। दोनों चरणों में साक्ष्य स्वर्गीय “पुस्तकों” से आता है जिसमें हर व्यक्ति के जीवन के सभी विवरण लिखे हैं (भजन 56:8; दानिय्येल 7:10; प्रकाशितवाक्य 20:12)। और दोनों चरणों में मानक दस आज्ञाएँ हैं (सभोपदेशक 12:13, 14; प्रकाशितवाक्य 22:12, 14)।

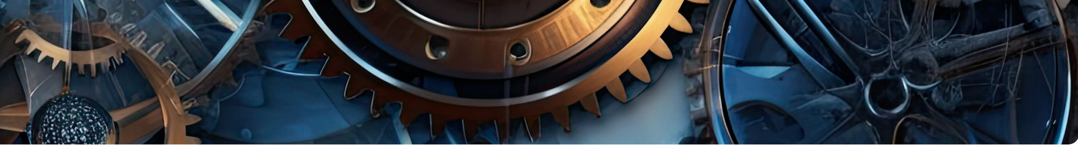

16 आगमन-पूर्व न्याय में हमारी बड़ी आशा क्या है?

क. यीशु हमारा सहायक है (1 यूहन्ना 2:1)।

ख. यीशु हमारा न्यायाधीश है (यूहन्ना 5:22)।

ग. यीशु हमारा विश्वासयोग्य और सच्चा गवाह है (प्रकाशितवाक्य 3:14)।

ध्यान दें: इस फैसले में शैतान हमारा अभियुक्त है (प्रकाशितवाक्य 12:9, 10), लेकिन शुक्र है, यीशु मसीही का बचाव सहायक, न्यायाधीश और गवाह है। यदि आप अपने पापों को स्वीकार करते हैं, अपना जीवन मसीह को समर्पित करते हैं, और उसका अनुसरण करना चुनते हैं, तो वह आपके लिए अपने खून की याचना करेगा-और वह पिता के साथ कभी कोई मामला नहीं हारा है, जो आपसे भी प्रेम करता है! (यूहन्ना 16:27; रोमियों 8:1; कुलुस्सियों 1:12-14)।

» आपका जवाब

जब यीशु न्याय में आपका वकील है, वह आपका मुकदमा जीतने का वादा करता है! क्या आप आज अपना जीवन उसे सौंप देंगे?

उत्तर: ____________________

आगे का अध्ययन

1844 के अन्य रोचक घटनाक्रम

- सहनशीलता का आदेश पारित किया गया, जिससे यहूदियों को सदियों में पहली बार पवित्र भूमि पर एक बार फिर से बसने की अनुमति मिली।

- डार्विन ने प्रजातियों की उत्पत्ति नामक पुस्तक लिखी, जो विकास के सिद्धांत की नींव बन गई।

- कार्ल मार्क्स ने अपना राजनीतिक दर्शन विकसित किया, जो कम्युनिस्ट घोषणापत्र में पाया जाता है, जिससे दुनिया भर में नास्तिक सरकारों के फैलने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

- मोर्स कोड प्रसारित करने वाला पहला इलेक्ट्रॉनिक संदेश 1844 में भेजा गया था, जिसने इलेक्ट्रॉनिक संचार की नींव रखी। भेजे गए पहले संदेश में बाइबल का हवाला दिया गया: “परमेश्वर ने क्या ही विचित्र काम किया है!” (गिनती 23:23)।

- चार्ल्स गुडइयर को वल्कनीकरण के लिए पेटेंट मिला, जो रबर को मजबूत करने की एक प्रक्रिया है, जिससे औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा मिला।

- चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पहली संधि पर हस्ताक्षर किये गये।

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की उलटी गिनती

पाठ 13

13

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in